फोर्स शब्दों की देवनागरी लिपि में लिखे जाने के म'देश जारी किए गये हैं:

Written

Answers

- (ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण 8:
- (ग) क्या वाय सेना के ग्रातिरक्त नौ सेना और थल सेना के मख्यालयों में हिन्दी नामों के स्थान पर ग्रंग्रेजो नाम ग्रपना लिये गये हैं: ग्रौर
 - (घ) यदि हां, तो इस हे क्या कारण हैं?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) वी नहीं।

- (ख) प्रश्न नहीं उठता।
- (ग) जी नहीं।
- (घ) प्रश्न नहीं उठता।

Immigration of Indians to Foreign Countries

*1498. Shri G. S. Mishra: Shri Nitirai Singh: Chaudhary:

Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

- (a) the total number of immigrants to (i) U.K., (ii) Canada, (iii) Kuwait, and (iv) U.S.A. from India during the last five years:
- (b) how many of them are Engineers, Scientists and Doctors; and
- (c) the Government's policy towards this immigration which leads to brain-drain on large scale?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Surendra Pal Singh); (a) and (b). The information is being collected and will be placed on the Table of the House.

(c) The Passports Act, 1967, which regulates issue, refusal, etc. of passports applies equally to all citizens regardless of their profession or academic attainments. There is no provision in the Act which empowers Government to refuse passport on the ground that the applicant's departure abroad might lead to brain-drain. Therefore, when an engineer or scientist or doctor applies for passport, he cannot be refused one if he qualifies for it under the Act.

Answers

राज्यों में बाका शवाणी के नाम में परिवतन

^{*}1499. श्री प्रकाशबीर शास्त्री : श्री घोंकार लाल बेरवा : श्री काजीनाच पाण्डेय : भी हेम वच्चाः श्री सरेन्द्र नाथ दिवेदी : श्रीनाय पाई: श्रीरविरायः

क्या सचना ग्रीर प्रसारण मन्त्री 27 मार्च, 1937 के श्रतारां वित प्रश्न संस्था 50 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या ग्रन्य राज्यों में भी श्राकाण-वाणी के नाम को बदलने के सम्बन्ध में कोई मुझाव मिले हैं:
- (ख) यदि हां, तो उन पर क्या कार्य-वाही की गई है: ग्रीर
- (ग) क्या इस सम्बन्ध में कोई दंख नीति बनाई गई है ?

सुचना ग्रीर प्रसारण मंत्री (श्री के० के॰ झाह्र): (क) जी, हां।

(ख) तथा (ग) जैसा कि 27 मार्च, 1967 के ग्रतारांकित प्रश्न संख्या 50 मे बताया गया है 'ब्राकाशवाणी' के नाम को 'यह ग्राकाशवाणी भारत है', 'यह भारवाणी है', 'म्राकाशवाणी भारत', भीर 'भारतीय वाणी' में बदलने के सुझाव प्राप्त हुए है, परन्तु हम उनको स्वीकार नहीं कर सके क्योंकि 'ग्राकाशवाणी' शब्द क.फी दिनों से सभी भार-तीय प्रसारणों में प्रयक्त हो रहा है और भन प्रचलित हो गया है।